..... †ŸÖ¸ß ¯Ö™¾Ö -ज्ञानज्योत ।।

NORTH MAHARASHTRA UNIVERSITY, JALGAON

Syllabus For

M.A. Part - II

(IIIrd & IVth Semester)

HINDI

(w.e.f. June 2015)

एम.ए. हिन्दी भाग - II

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

प्रश्नपत्र - 9 -	HI - 2310 -	सामान्य स्तर -	महाकाव्य और खण्डकाव्य
प्रश्नपत्र - 10 -	HI - 2320 -	×¾Ö¿ÖÂÖ ÃŸÖ¸ -	³ÖÖÂÖÖ×¾Ö–ाान
प्रश्नपत्र - 11	HI - 2330 -	×¾Ö¿ÖÂÖ ÃŸÖ¸ -	हिन्दी साहित्य का आदि एवं मध्यकाल
प्रश्नपत्र - 12 -	HI - 2340 -	×¾Ö¿ÖÂÖ ÃŸÖ¸ -	वैकल्पिक
	HI - 2340 -		(A) हिन्दी आलोचना
	HI - 2340 -		(B) लोक साहित्य
	HI - 2340 -		(C) हिन्दी पत्रकारिता
प्रश्नपत्र - 13 -	HI - 2410 -	सामान्य स्तर -	क¿Ö¾µÖ नाटक, नई कविता और गजल
प्रश्नपत्र - 14 -	HI - 2420 -	×¾Ö¿ÖÂÖ ÃŸÖ¸ -	हिन्दी भाषा
प्रश्नपत्र - 15 -	HI - 2430 -	×¾Ö¿ÖÂÖ ÃŸÖ¸ -	हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल
प्रश्नपत्र - 16 -	HI - 2440 -	×¾Ö¿ÖÂÖ ÃŸÖ¸ -	वैकल्पिक
	HI - 2440 -		(A) मीडिया लेखन
	HI - 2440 -		(B) प्रयोजनमूलक हिन्दी
	HI - 2440 -		(C) अनुवाद वि–ाान

ŸÖŸÖßµÖ ÃÖ¡Ö (III^rd Semester)

प्रश्नपत्र - 9 - HI - 2310 - सामान्य स्तर - महाकाव्य और खण्डकाव्य

ˆ§¿µÖ - (i) छात्रों को आधुनिक हिन्दी काव्य की प्रवृत्तियों से परिचित कराना…

(ii) आधुनिक काल के महाकाव्य, खÖण्डकाव्य, आदि काव्य विधाओं की प्रवृत्तियाँ एवं उनके तात्विक स्वरूप का -ान कराना…

(iii) भारतीय संस्कृति तथा समीक्षात्मक दृष्टि विक×ÃÖत कराना…

पाठ्यक्रम

पाठ्यपुस्तकें :-

1) साकेत - श्री मैथिलीशरण गुप्त साहित्य-सदन, चिरगाँव (–ÖÖÃÖß)
(केवल नवम् सर्ग पर संदर्भ पूछे जायेंगे…)

2) कनुप्रिया - >Ö. -Ö´Ö¾ÖÖß¸ü ³ÖÖ¸üŸÖß, ³ÖÖ¸üŸÖßµÖ -ानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली…

3) ×¾ÖÀ¾Ö-•µÖÖ×Ÿ ²ÖÖ¯Ö - रामगोपाल शर्मा 'दिनेश', वाणी प्रकाशन, 21-‹-दरियागंज, नई दिल्ली।

संदर्भ ग्रंथ :-

1) मैथिलीशरणÖ गुप्त के काव्य में भारतीय संस्कृति की अभिव्यक्ति - डॉ. जनार्दन पाण्डेय, सरस्वती प्रकाशन मन्दिर, इलाहाबाद।
2) साकेत : एक अध्ययन - डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली।
3) गुप्त जी की काव्य - कला और साकेत - डॉ त्रिलोचन पाण्डेय, सरस्वती पुस्तक सदन आगÖ¸üÖ…
4) गÖ¯ŸÖजी और द्वापर आलोचनात्मक अध्ययन - कामताप्रसाद साहू - नव-ज्योति प्रकाशन, आगरा।
5) मैथिलीशरण गुप्त - डॉ. आनन्दप्रकाश दीक्षित, स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद।
6) साकेत - ÃÖÖ-ÖÖ - श्री रामस्वरूप दुबे, नारायण बुक डिपो, कानपुर।
7) साकेत की टीका - ब्रजभूषण शर्मा, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली।
8) राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त अभिनन्दन ग्रंथ - डॉ. वासुदेवशण अग्रवाल
9) -Ö´Ö¾ÖÖß¸ü ³ÖÖ¸üŸÖß - डॉ. प्रभाकर क्षोत्रिय, आयाम प्रकाशन।
10) -Ö´Ö¾ÖÖß¸ü ³ÖÖ¸üŸÖß - युगचेतना और अभिव्यक्ति - >Ö. ÃÖ×¸üŸÖÖ ¿Öक्ला, चिन्तन प्रकाशन, कानपुर।

11) धर्मवीर भारती अनुभव और अभिव्यक्ति - लक्ष्मणदत्त गौतम, भारत पुस्तक भंडार, दिल्ली।

12) समसामायिक हिन्दी नाटकों में चरित्र - सृष्टि जयदेव तनेजा, सामायिक प्रकाशन, दिल्ली।

13) आधुनिक प्रबन्ध काव्य संवेदना के धरातल - डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

प्रश्नपत्र - 10 ×¾Ö¿ÖÂÖ ÃÖÖ¸ü - HI - 2320 ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान

*** ˆ§ê¿µÖ :-**

i) ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान की नव्यतम शाखा†Öë के अध्ययन करना…

ii) भाषा स्वन उच्चारण प्रक्रिया को सम–ाकर शुध्द उच्चारण करना…

iii) ³ÖÖÂÖÖ ÃÖê †£Ö ¯ÖÏÖ×¯Ö किस तरह होती है - ÃÖ´Ö–ाना…

*** पाठ्यक्रम :-**

1) ³ÖÖ¸üŸÖ ´Öë ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान के अध्ययन का परंपरागत स्वरूप।

2) ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान की परिभाषाएँ एवं स्वरूप, भाषा वि–ान की उपशाखाएँ - कोश वि–ान, ÃÖ´ÖÖ•Ö ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान, मनोभाषा वि–ान, भाषा भूगोल का संक्षिप्त परिचय।

3) स्वन एवं स्वनिम वि–ान - स्वन का स्वरूप, स्वन का उत्पादन, संवहन और ग्रहण, वागवयव और उच्चारण प्रक्रिया, स्वनों का वर्गीकरण, स्वर और व्यंजनÖ… स्वरों का वर्गीकरण, व्यंजनो का वर्गीकरण… स्वन परिवर्तन के कारण <¾Ö×´Ö ×¤ü¿ÖÖë<… स्वनिम का स्वरूप, स्वनिम का निर्धारण, स्वनिम के भेद।

4) ¹û¯Ö <¾Ö ¹û¯Ö×¯Ö´Ö ×¾Ö–ान - रूप (पद) की परिभाषा संबंध तत्व और उसके भेद, रूप के कार्य। रूपिम का स्वरूप, रूपिम के भेद, रूप स्वनिम वि–ान।

5) ¾ÖÖŒµÖ ×¾Ö–ान - वाक्य का स्वरूप, अभिहितान्वयवाद (पद वाद) अन्विताभिधानवाद (वाक्य वाद) वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ अवयव विश्लेषण।

6) †£Ö ×¾Ö–ान - अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ बोध के बाधक तत्व, अर्थ ¯ÖÏ×ŸÖति, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण…

*** संदर्भ ग्रंथ :-**

1) आधुनिक ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान - डॉ. भोलानाथ तिवारी

2) आधुनिक भाष वि–ान - डॉ. केशवदत्त रूवाली, अल्मोडा बुक डेपो, अल्मोडा।

3) मुग्धबोध भाषा वि–ान - डॉ. रामेश्वर दयालु अग्रवाल, साधना प्रकाशन, मेरठ।

4) ÃÖ´ÖÖ•Ö ³ÖÖÂÖ ×¾Ö–ान की भूमिका - ›üÖ. ŸÖê•Ö¯ÖÖ»Ö “ÖÖî¬Ö¸üß, पंचशील प्रकाशन, जयपुर…

5) ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान एवं भाषा शास्त्र - डॉ. कपिलदेव त्रिवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

6) ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान तथा समाज भाषा ×¾Ö–ान - डॉ. भाऊसाहेब परदेशी, डॉ. गिरीश महाजन, चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर।

7) ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान के अधुनातम आयाम - डॉ. अम्बादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर...

8) ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान - अनूप सिंह...

9) ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान और हिंदी भाषा - डॉ. तेजपाल चौधरी, विकास प्रकाशन, कानपुर।

10) ³ÖÖÂÖ ×¾Ö–ान एवं हिंदी - डॉ. सुधाकर कलावडे, साहित्य रत्नालय, कानपुर...

प्रश्नपत्र - 11 ×¾Ö¿ÖêÂÖ ÃÖ¡Ö¸ü - HI - 2330- हिंदी साहित्य का आदि एवं मध्यकाल।

*** ˆ§ê¿µÖ :-**

1) छात्रों को युगीन परिस्थितियों के संदर्भ में साहित्य के इतिहास के काल विभाजन और नामकरण के औचित्य से परिचित कराना …

2) †Ö×¤üकाल, भक्तिकाल और ¸üß×ŸÖकाल की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों की जानकारी प्रदान करना …

3) प्रतिनिधि कवियों की रचनाओं का साहित्यिक परिचय प्रदान करना।

*** पाठ्यक्रम :-**

1) हिंदी साहित्य का काल विभाजन और नामकरण के †Ö¬ÖÖ¸ü…

2) आदिकालीन सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक और साहित्यिक परिस्थितियाँ और उनका ÃÖÖ×ÆüŸµÖ ¯Ö¸ü ¯ÖϳÖÖ¾Ö…

3) ¸üÖÃÖÖ ÃÖÖ×ÆüŸµÖ ¯Ö¸ü¯Ö¸üÖ - रासो शब्द के विभिन्न अर्थ, रासो के प्रकार… पृथ्वीराज रासो की कथ्यगत और शैलीगत विशेषताएँ।

4) †¯Ö³ÖÏÓ¿Ö, सिध्द, नाथ साहित्य का परिचय और उनकी प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय…

5) गोरखनाथ, विद्यापति और अमीर खुसरों का साहित्यिक परिचय।

भक्तिकाल :-

6) भक्तिकालीन सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, साहित्यिक परिस्थितियाँ।

7) निर्गुण भक्ति साहित्य की प्रवृत्तियाँ… निर्गुण भक्तिमार्ग के दो भेद - प्रेममार्ग एवं –ानमार्ग

8) –ानमार्ग के प्रतिनि×¬Ö कवि कबीर का साहित्यिक परिचय।

9) प्रेममार्ग के प्रतिनि×¬Ö कवि जायसी का साहित्यिक परिचय।

10) सगुण भक्ति साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सगुण ³Ö×ŒŸÖमार्ग के दो भेद - ¸üÖ´Ö³Ö×ŒŸÖ शाखा मे प्रमुख कवि तुलसीदास का स्थान एवं कृष्णभक्ति, दोनों की परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ।

11) कृष्णभक्ति साहित्य के प्रतिनिधि कवि - ÃÖæ¸ü, ¸üÃÖÜÖÖÖ और मीरा का साहित्यिक परिचय।

12) भक्तिकाल हिन्दी साहित्य का स्वर्णकाल - ¯Ö×¸ü“ÖµÖ…

*** रीतिकाल :-**

13) रीतिकाल के विविध नाम और उनके आधार।

14) रीतिकालीन सामाजिक धार्मिक, राजनीतिक और साहित्यिक परिस्थितियाँ...

15) रीतिकालीन प्रवृत्तियाँ। ¸ßxŸÖ2Ö¬¤¡, रीतिसिध्द, और रीतिमुक्त काव्यधाराओं का परिचय।

16) रीतितर काव्यधाराओं का स्थूल परिचय - राष्ट्रीय भूषण, नीति-¸ÆßÓ´Ö...

*** संदर्भ ग्रंथ -**

1) हिंदी साहित्य का इतिहास - †Ö“ÖÖµÖ ¸Ö´Ö“Ö¦¡ ¿ÖŒ»Ö...

2) ØÆ¤ß साहित्य की भूमिका: उद्‌भव विकास - >Ö. Æ•ÖÖ¸ß¯ÖÃÖÖ¤¡ x«¾Ö¤ß...

3) भक्तिकाव्य और वर्तमान समय - संपादक रतनकुमार पाण्डेय।

4) हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ जयकिशनप्रसाद खण्डेलवाल।

5) ØÆ¤ß साहित्य का इतिहास - डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय...

6) ØÆ¤ß ¸ßxŸÖ ÃÖÖ×ÆŸµÖ - डॉ. भगीरथ मिश्र।

7) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र।

8) हिंदी साहित्य का आदिकाल - Æ•ÖÖ¸ß¯ÖÃÖÖ¤¡ x«¾Ö¤ß...

9) हिंदी साहित्य का ‡xŸÖÆÖÃÖ - >Ö. ¸´Ö¿Ö“Ö¦¡ ¿Ö´ÖÖ...

प्रश्नपत्र - 12 - HI - x¾Ö¿ÖÂÖ ÃŸÖ¸¡ 2340 - वैकल्पिक

HI - 2340 (A) हिंदी आलोचना

*** ^§¿µÖ :-**

i) आलोचना के स्वरूप और प्रवृत्ति का –ान कराना...

ii) आलोचना के विकासक्रम का परिचय देना...

iii) हिंदी के प्रमुख आलोचकों की आलोचना प्रणाली एवं आलोचना की तारतम्यता का बोध कराना...

iv) निर्धारित आलोचकों की आलोचना पध्दतियों के द्वारा छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टि का विकÖÃÖ करना...

*** पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचक -**

1) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

2) >Ö. Æ•ÖÖ¸ß¯ÖÃÖÖ¤ü x«¾Ö¤ß

3) आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी

4) डॉ. नगेन्द्र

5) >Ö. ¸Ö´Ö×¾Ö»ÖÖÃÖ ¿Ö´ÖÖ

6) डॉ. नामवर सिंह

*** अध्ययनार्थ x¾ÖÂÖµÖ :-**

1) आलोचना का Ã¾Ö°þ¯Ö <¾Ö ^§¿µÖ, आलोचना की प्रक्रिया, आलोचक के गुण...

2) निर्धारित आलोचकों में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना का अध्ययन, साम्य एवं ¾ÖÂÖ´µÖ...

3) आधुनिक हिंदी आलोचना में आचार्य रामचन्द्र ¿ÖŒ»Ö का स्थान।

4) आचार्य नंददुलारे वाजपेयी की समन्वयशील आलोचना।

5) आलोचना के आधार - काव्यशास्त्रीय, वाद, सिध्दांत एवं विमर्श।

6) ØÆ¤ß आलोचना का विकासक्रम।

7) डॉ. नगेन्द्र की आलोचना पध्दति।

8) >Ö. रामविलास शर्मा की मार्क्सवादी आलोचना।

9) डॉ. नामवर सिंह की आधुनिक आलोचना पध्दति।

10) आलोचना का भविष्य।

*** संदर्भ ग्रंथ:-**

1) हिंदी आलोचना उद्‌भव और विकास - भगवत स्वरूप मिश्र - साहित्य सदन, देहरादून

2) हिंदी के विशिष्ट आलोचक - नंदकुमार राय, वसुमति प्रकाशन, इलाहाबाद।

3) हिंदी की सैध्दांतिक आलोचना - रूपकिशोर, कानपुर।

4) ØÆ¤ß ÃÖ´ÖÖßÖÖ ÃÖ¾ÖºþÖ †Öê¸ü ÃÖ¤³Ö - रामदरश मिश्र, मॅकमिलन प्रकाशन, नई दिल्ली।

5) हिंदी आलोचना का इतिहास - रामदरश मिश्र, काशी हिंदू विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।

6) हिंदी आलोचना की परंपरा और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, ×¤ü»»Öß…

7) >ÖÖ. Æü•ÖÖ¸üß¯ÖÃÖÖ¤ü ×«¾Ö¤üß - ÃÖÖ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी। नशनल प्रकाशन, दिल्ली

8) डॉ. नगेन्द्र के आलोचना सिध्दांत - चौबे नारायण प्रसाद, नशनल प्रकाशन, दिल्ली।

9) >ÖÖ. ¸üÖ´Ö×¾Ö»ÖÖÃÖ ¿Ö´ÖÖÔ - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

10) †Ö»ोचक रामविलास शर्मा - नत्थनसिंह, विभूति प्रकाशन, नई दिल्ली।

11) हिंदी आलोचना: स्वरूप और प्रक्रिया - सं. आनंद प्रकाश दीक्षित।

12) †Ö“ÖÖµÖÔ ¿ÖãŒ»Ö के समीक्षा सिध्दांत - >ÖÖ. ¸üÖ´Ö»ÖÖ»Ö ØÃÖÆü…

13) आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना - >ÖÖ. ¸üÖ´Ö×¾Ö»ÖÖÃÖ ¿Ö´ÖÖÔ…

14) †Ö“ÖÖµÖÔ Æü•ÖÖ¸üß¯ÖÃÖÖ¤ü ×«¾Ö¤üß : ¾µÖÛŒÖ×ŸÖŸ¾Ö †Öê¸ü ÃÖÖ×ÆüŸµÖ - डॉ. गणपतीचंद्र गुप्त…

15) आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी : व्यक्ति और साहित्य, डॉ. रामाधार शर्मा।

16) हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ - >ÖÖ. रामेश्वरलाल खण्डेलवाल।

17) ¤üसरी परंपरा की खोज - डॉ. नामवर सिंह।

18) स्वच्छंदतावादी समीक्षा नये आयाम - ×´Ö×£Ö»Öê¿Ö ØÃÖÆü…

19) हिंदी आलोचना के नाभि पुरूष नगेन्द्र - डॉ. शैलजा माहेश्वरी, भावना प्रकाशन, दिल्ली…

20) हिंदी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी।

प्रश्नपत्र 12 - HI - 2340 विशेष स्तर (B) लोक साहित्य

*** ^§¡¿µÖ -**

i) लोकसाहित्य के स्वरूप को सम–ाते हुए उसके अध्ययन का महत्व स्पष्ट करना…

ii) लोकसाहित्य की विविध विधाओं के अध्ययन द्वारा लोकजीवन में उसकी व्यापकता को ÃÖ´Ö–ााना…

iii) लोकसाहित्य का सामाजिक, राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक महत्व बताकर उसके विशेष अध्ययन के लिए प्रेरणा देना…

*** पाठ्यक्रम :-**

1) 'लोक' शब्द की व्याख्या, लोकसाहित्य की प्रमुख परिभाषाएँ, लोकसाहित्य का वर्गीकरण, लोकसाहित्य और शिष्ट साहित्य में साम्य और वैषम्य, लोकसाहित्य के अध्ययन का महत्व।

2) लोकसाहित्य का अन्य शास्त्रों से संबंध - इतिहास, पुरातत्व, मानव-×¾Ö–ान, समाज वि-ान, मनोवि-ान, भाषा वि-ान, धर्मशास्त्र।

3) लोकगीत - परिभाषा, निर्माण तत्व, विशेषताएँ, लोकगीतों का वर्गीकरण, लोकगीतों के प्रमुख प्रकार - ÃÖÖÆ¸, ×¾ÖÖ¾ÖÖह, गौना, कजली, होली, लोरी (लोकगीतों का सामान्य परिचय।)

4) लोकगाथा - प्रमुख लक्षण, लोकगाथाओं का वर्गीकरण, आल्हा, गोरा-बादल, भरयरी की लोकगाथा का सामान्य परिचय।

5) लोककथा - लोककथा का स्वरूप एवं वर्गीकरण, लोककथा में अभिप्राय, लोककथा की ×¾Ö¿ÖÂÖŸÖÖ‹ं…

6) लोकनाट्य - लोकनाट्य की विशेषताएँ, भारत के प्रमुख लोकनाट्य - ¸Ö´Ö»ÖßÖ»ÖÖ, ¸ÖÃÖ»ÖßÖ»ÖÖ, भवई, यक्षगान, तमाशा, जÖ¡ÖÖ, ´ÖÖ“Ö, नौटंकी (सामान्य परिचय)

7) प्रकीर्ण साहित्य - मुहावरें, कहावतें, पहेलियाँ, मुकरियाँ, ढकोसला, मंत्र, टोना-टोटका।

*** संदर्भ ग्रंथ :-**

1) भारतीय लोकसाहित्य - >Ö. ¿µÖÖ´Ö ¯Ö¸´ÖÖ¸

2) लोकसाहित्य की भूमिका - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय

3) लोकसाहित्य सिध्दांत और प्रयोग - >Ö. ÁÖß¸Ö´Ö ¿Ö´ÖÖ

4) लोकसाहित्य के प्रतिमान - डॉ. कुंदनलाल उप्रेति

5) खÖ>ß ²ÖÖ»Öß का साहित्य - डॉ. सत्या गुप्त

6) लोकसाहित्य x¾Ö–ाान - >Ö. ÃÖÖŸµÖ¦ü

7) लोकसाहित्य का अध्ययन - डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय

8) महाराष्ट्र का हिंदी लोककाव्य - डॉ. कृष्ण दिवाकर

9) लोकगीतों का विकासात्मक अध्ययन - डॉ. कुलदीप

10) लोकगीतों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि - डॉ. विद्या चौहान

11) हिंदी लोकसाहित्य शास्त्र सिध्दांत और विकास - डॉ. अनुसया अग्रवाल, नीरज बुक सेंटर, x¤ü»»Öß…

12) लोककथा परिचय - नलिन विलोचन शर्मा

13) लोककथा वि–ाान - श्रीचन्द जैन

14) लोकधर्मी नाट्य परम्परा - >Ö. ¿µÖÖ´Ö ¯Ö¸ü´ÖÖ¸ü

15) लोकनाट्य - ¯Ö¸ü´¯Ö¸üÖ †Ö¸ü ¯Ö¾Ö×¢ÖµÖÖÖ - डॉ. महेन्द्र भनावत

16) भारत के लोकनाट्य - डॉ. शिवकुमार मधुर

17) लोकसाहित्य शास्त्र - डॉ. नन्दलाल कल्ला, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर…

18) भारतीय लोकसाहित्य की रूपरेखा - दुर्गा भागवत अनु. डॉ. स्वर्णकांता

HI 12 - 2340 - x¾Ö¿ÖÂÖ ÃŸÖ¸¡ - वैकल्पिक (C) हिंदी पत्रकारिता

*** ^§¿µÖ :-**

1) पत्रकारिता आधुनिक साहित्य विधाओं में सर्वाधिक प्रसिध्द और प्रभावशाली विद्या है, उसके अध्ययन का महत्व स्पष्ट करना।

2) पत्रकारिता एक विद्या के साथ ही साहित्य के प्रचार-¯ÖÃÖर का भी विशिष्ट साधन है, उसकी व्यापकता को सम–ाना।

3) पत्रकारिता का सामाजिक, राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक महत्व बताकर उसके विशेष अध्ययन के लिए प्रेरणा देना।

4) हिंदी पत्रकारिता के विकासक्रम का परिचय देना।

*** पाठ्यक्रम:-**

1) पत्रकारिता... अवधारणा और स्वरूप, अर्थ, परिभाषा, पत्रकारिता के विविध माध्यम, पत्रकार के गुण, दायित्व...

2) हिंदी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास प्रारंभिक युग, भारतेन्दू युग, द्विवेदी युग, गांधी युग, स्वातंत्र्योत्तर युग।

3) पत्रकारिता के प्रमुख प्रकार - जन पत्रकारिता, साहित्यिक पत्रकारिता, वि–ान पत्रकारिता, ग्रामीण पत्रकारिता, विकास पत्रकारिता, विचार पत्रकारिता, आर्थिक पत्रकारिता, अपराध-खोजी पत्रकारिता, युवा बाल एवं महिला पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, फिल्म पत्रकारिता।

4) मुक्त प्रेस की अवधारणा और प्रेस - कानून राज्याश्रय- संवरण... पत्रोद्‌योगी की गतिविधि, x¾Ö–ापन वृत्ति, अधिनियमन, सेवा की नई शर्ते, संवेदनशून्यता, हडबडिया लेखन पर रोक, विशिष्टों का चरित्र हनन, सरकारी प्रचारपर प्रतिबन्ध।

5) भावी (इक्कीसवीं शती की) पत्रकारिता।

*** संदर्भ ग्रंथ:-**

1) हिन्दी पत्रकारिता - ›Ö. कृष्णबिहारी मिश्र।

2) हिन्दी भाष के सामायिक पत्रों का इतिहास - राधाकृष्ण दास।

3) समाचार पत्रों का इतिहास - पं. अम्बिकाप्रसाद वाजपेयी।

4) पत्र और पत्रकार - पं. कमलापति त्रिपाठी।

5) हिन्दी पत्रकारिता का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रमेशकुमार जैन।

6) हिन्दी पत्रकारिता के विविध आयाम - डॉ. वेदप्रताप वैदिक।

7) जनमाध्यम और पत्रकारिता - भाग 1 - †Ö¸¡ 2 - प्रवीण दीक्षित।

8) स्वतंत्रता आन्दोलन और हिन्दी पत्रकारिता - डॉ. अर्जुन तिवारी।

9) सम्पूर्ण पत्रकारिता - Æ¸´²Ö ×´ÖÁÖ...

10) हिन्दी समाचार पत्रों का इतिहास - अनन्त बिहारी माथुर।

11) जन पत्रकरिता, जनसंचार एवं जनसम्पर्क - प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित।

12) भारत में पत्रकरिात - आलोक मेहता।

13) पत्रकारिता और साहित्य - >Ö.´Ö.²Ö. ¿ÖÆÖ...

14) पत्रकार कला - विष्णुदत्त शुक्ल।

15) पत्र और पत्रकार - कमलापति त्रिपाठी।

16) पत्रकारिता के मूल सिध्दांत - >Ö. ÁÖß¯ÖÖ»Ö ¿Ö´ÖÖ...

17) पत्रकारिता के प्रतिमान - डॉ. प्रेमचन्द गोस्वामी।

18) हिन्दी पत्रकारिता विकास और विविध आयाम - >Ö. ÃÖ¿ÖßÖÖ •ÖÖ¿Öß...

19) हिन्दी की दशा और पत्रकारिता - बालकृष्ण भट्ट

20) जनसंचार और पत्रकारिता: विविध आयाम - डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, निराली प्रकाशन, पुणे...

एम.ए. हिंदी भाग - II

ŸÖÖŸÖßµÖ ÃÖ¡Ö (IIIrd Semester)

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्नपत्र - 9 - HI - 2310 - सामान्य स्तर - महाकाव्य और खण्डकाव्य

i) प्रश्नपत्र 60 अंकों को होगा। कुल पॉच प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

ii) प्रश्न क्र. 1 : साकेत पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछा जाएगा।

iii) प्रश्न क्र. 2 : कनुप्रिया पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछा जाएगा।

iv) प्रश्न क्र. 3 : लघुत्तरी प्रश्न

†) साकेत पर (दो में से एक)

2Ö) कनुप्रिया पर (दो में से एक)

v) प्रश्न क्र. 4 : ससंदर्भ व्याख्या

अ) साकेत को नवम सर्ग पर (दो में से एक)

ब) कनुप्रिया (दो में से एक)

vi) प्रश्न क्र. 5 : ×¾ÖÀ¾Ö•µÖÖ×ŸÖ पर टिप्पणियाँ (तीन में से दो)

प्रश्नपत्र - 10 - ×¾Ö¿ÖÂÖ ÃŸÖ¸¡ - HI 2320 - ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö-गान

*** सूचनाएँ :-**

i) प्रश्न 60 अंकों का होगा। कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

ii) पश्न क्र. 1, 2, 3 एवं 4 अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

iii) प्रश्न क्र. 5 : यह एक वाक्य उत्तर वाले प्रश्नों का होगा। कुल छह प्रश्न ¯Ö"¡ जायेंगे तथा प्रत्येक प्रश्न के लिए दो अंक दिए जायेंगे। प्रश्नों का स्वरूप बहुपर्यायी होगा।

प्रश्नपत्र - 11 - ×¾Ö¿ÖÂÖ ÃŸÖ¸¡ - HI 2330 - हिंदी साहित्य का आदि एवं मध्यकाल

*** सूचनाएँ -**

(1) प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा। कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

प्रश्न क्र. 1) आदिकाल पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)

प्रश्न क्र. 2) भक्तिकाल पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)

प्रश्न क्र. 3) रीतिकाल पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)

प्रश्न क्र. 4) आदिकाल, भक्तिकालएवं रीतिकाल पर एक-एक लघुत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से दो के उत्तर अपेक्षित है।

प्रश्न क्र. 5) आदिकाल, ³Öक्तिकाल और रीतिकाल पर एक-एक टिप्पणी पूछी जायेगी जिनमें से दो के ^¢Ö¸¡ अपेक्षित है।

प्रश्नपत्र - 12 - HI - 2340 - x¾Ö¿ÖÂÖ ÃŸÖ¸¡ - वैकल्पिक -

(A) हिन्दी आलोचना

1) प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा। कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंको का होगा।

प्रश्नपत्र 1 एवं 2 आलोचना के सैध्दांतिक पक्ष पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे।

प्रश्न क्र. 3, 4, एवं 5 पाठ्यक्रम के आलोचकों पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे।

प्रश्नपत्र - 12 - HI - 2340 - x¾Ö¿ÖÂÖ ÃŸÖ¸¡ - वैकल्पिक -

(B) लोक साहित्य

सूचनाएँ :-

2) प्रश्नपत्र ६० अंकों का होगा... कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे... प्रत्येक प्रश्न १२ अंको का होगा...

प्रश्न क्र. 1, 2, <¾Ö 3 अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे...

प्रश्न क्र. 4 - लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो)

प्रश्न क्र. ५ - टिप्पणियों पर आधारित प्रश्न (तीन में से दो)

प्रश्नपत्र - 12 - HI - 2340 - x¾Ö¿ÖÂÖ ÃŸÖ¸¡ - वैकल्पिक -

(C) हिन्दी पत्रकारिता

सूचनाएँ :-

3) प्रश्नपत्र ६० अंकों का होगा... कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे... प्रत्येक प्रश्न १२ अंको का होगा...

प्रश्न क्र. १, २, एवं ३ अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे...

प्रश्न क्र. 4 - टिप्पणियों पर आधारित प्रश्न (तीन में से दो)

प्रश्न क्र. ५ - एक वाक्य में उत्तर छह प्रश्न दिये जायेंगे प्रत्येक को दों अंक होंगे... उत्तर पूर्ण वाक्य में अपेक्षित है...

हिंदी पाठ्यक्रम

समकक्ष विषयों की सूची

ŸÖŸÖßµÖ ÃÖ¡Ö

पुराना पाठ्यक्रम		नया पाठ्यक्रम	
अ.क्र	**×¾ÖÂÖµÖ**	**†.ÛÎ.**	**×¾ÖÂÖµÖ**
1.	प्रश्नपत्र-HI-231-सामान्य स्तर- आधुनिक काव्य	1.	प्रश्नपत्र-HI9-2310- सामान्य ÃŸÖ¸ü - महाकाव्य और खण्डकाव्य
2.	प्रश्नपत्र-HI-232-×¾Ö¿ÖêÂÖ ÃŸÖ¸ü- ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान एवं हिंदी भाषÖ	2.	प्रश्नपत्र-HI10-2320- ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान
3.	प्रश्नपत्र-HI-233-×¾Ö¿ÖêÂÖ ÃŸÖ¸ü- ØÆ¤üß साहित्य का इतिहास	3.	प्रश्नपत्र-HI11-2330- ØÆ¤üß साहित्य का आदि एवं मध्यकाल
4.	प्रश्नपत्र-HI-234- (a) ×¾Ö¿ÖêÂÖ ÃŸÖ¸ü वैकल्पिक (a) ØÆ¤üß आलोचना (b) ³ÖÖ¸üŸÖßµÖ ÃÖÖ×ÆŸµÖ	4.	प्रश्नपत्र-HI12-2340- ×¾Ö¿ÖêÂÖ स्तर : वैकल्पिक (A) हिंदी आलोचना
	(c) अनुवादन वि–ान (d) मीडिया लेखन		(B) लोक साहित्य
	(e) प्रयोजन मूलक (e) लोक ÃÖÖ×ÆŸµÖ		(C) हिंदी पत्रकारिता

प्रो.डॉ.एस.एन. देवरे

अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,

उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगांव

“ÖŸÖ£Ö ÃÖ¡Ö (IVth Semester)

प्रश्नपत्र - 13 - HI - 2410 - सामान्य स्तर

काव्य नाटक, नई कविता †Ö¸ü ग़ज़ल

*** ˆ§ê¿µÖ:-**

1) आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों से परिचित कराना...

2) आधुनिक काल के नई कविता, काव्य, नाटक, ÝÖ•ÖÌ»Ö आदि विधाओं की प्रवृत्तियाँ एवं उनके तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना तथा इन विधाओं के विकासक्रम से परिचित कराना।

*** पाठ्यक्रमः-**

पाठ्यपुस्तकेः-

1) एक कंठ विषपायी - दुष्यंतकुमार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

2) ×¤ü¿ÖÖŸÖ¸ü - सम्पादक - डॉ. परमानन्द श्रीवास्तव, डॉ. विश्वनाथप्रसाद तिवारी, अनुराग प्रकाशन, वाराणसी।

इस संग्रह की निम्निलिखित कविताएँ पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित की गई है -

(†) †–ÖµÖ -

क×¾ÖŸÖÖ‹Ô - (i) बावरा अहेरी (ii) जो कहा नहीं गया (iii) नदी के द्वß¯Ö (iv) µÖÆü «ßप अकेला

(†Ö) ¿Ö´Ö¿Ö¸ü²ÖÆüÖ¤ãü¸ü ØÃÖÆü -

क×¾ÖŸÖÖ‹Ô - (i) बात बोलेगी (ii) एक पीली शाम (iii) एक नीला आईना बेठोस

(इ) गजानन माधव मुक्तिबोध -

क×¾ÖŸÖÖ‹Ô - (i) रंगों में सुलगी हुई एक सुनहली शनाख्त (ii) एक भूतपूर्व विद्रोही का आत्मकथन

(‡) गिरिजाकुमार माथुर -

क×¾ÖŸÖÖ‹Ô - (i) असिध्द की व्यथा (ii) भोर : एक लॉण्डस्केप

(3) डॉ. गिरिराजशरण अग्रवाल की प्रतिनिधि ÝÖ•ÖÌ»Ö - सं.डॉ. शिवाजी देवरे, हिन्दी साहित्य निकेतन, बिजनौर...

पाठ्यक्रम हेतु इस संकलन की - 2, 5, 6, 7, 14, 16, 20, 21, 30, 39, 44, 47, 55, 62, 64, 65, 75, 76 तथा 86 क्रमांक की ÝÖ•ÖÌ»Ö निर्धारित की गई हैं।

*** संदर्भ ग्रंथ -**

1) नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर - डॉ. संतोषकुमार तिवारी।

2) तारसप्तक के कवि - काव्यशिल्प के मान - कृष्णलाल साहित्य प्रकाशन, ׯ¤»»ÖŸ…

3) †–ÖµÖ <¾Ö ´ÖÖÛŒÖŸÖ²ÖÖ¬Ö - डॉ. ललिता राठोड, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

4) युगपुरूष कवि अ–ÖµÖ - डॉ. रामेश्वर बाँगड, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

5) †–ÖµÖ की कविता : एक मूल्यांकन - डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर।

6) गजानन माधव मुक्तिबोध : जीवन और काव्य - डॉ. महेश भटनागर, राजेश प्रकाशन, दिल्ली।

7) मुक्तिबोध की काव्यभाषा - डॉ. रतनकुमार, चिंतन प्रकाशन, कानपुर।

8) गिरिजाकुमार माथर के काव्य की बनावट और बुनावट - ´Ö¬Ö ´ÖÖÆÀ¾Ö¸ŸÖ…

9) †-नेय साहित्य और चिंतन - प्रा. नामदेव जासूद…

10) हिंदी गजल : उद्‌भव और विकास - डॉ. रोहिताश्व अस्थाना, सामायिक प्रकाशन, दिल्ली।

11) हिंदी गजल के विविध अÖµÖÖ´Ö - डॉ. सरदार मुजावर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

12) साठोत्तरी हिंदी गजल - डॉ. मधु खराटे, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

13) डॉ. गिरिराजशरण अग्रवाल : व्यक्ति और साहित्य - डॉ. हरिशकुमार सिंह, ØÆ¤ßÖ ÃÖÖ×ÆŸµÖ निकेतन, बिजनौर।

14) साठोत्तरी हिंदी गजल - डॉ. गिरिराजशरण अग्रवाल का योगदान - डॉ. अनिलकुमार शर्मा, हिंदी साहित्य निकेतन, बिजनौर।

15) हिंदी गजल : सौंदर्य और यथार्थ - डॉ. गिरिराजशरण अग्रवाल के संदर्भ में - डॉ. अनिरूध्द सिन्हा, हिंदी साहित्य निकेतन, बिजनौर।

16) नई कविता की नाट्यभूमिका - डॉ. हुकूमचंद राजपाल।

17) नई कविता के नाट्यकाव्य- डॉ. हरिचरण शर्मा 'चिंतक'…

18) हिन्दी ग़ज़ल के प्रमुख हस्ताक्षर- डॉ. मधु खराटे, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

19) दुष्यन्तकुमार : रचनाएँ और रचनाकार- गणेश अष्टेकर, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।

20) दुष्यन्तकुमार और उनका ÃÖÖ×ÆŸµÖ–डॉ. हरिचरण शर्मा 'चिंतक', प्रमोद प्रकाशन, दिल्ली।

21) नयी कविता : नये धरातल - डॉ. हरिचरण शर्मा 'चिंतक' पदम प्रकाशन।

प्रश्नपत्र - 14 - HI - 2420 ×¾Ö¿ÖÂÖ ÃÖÖ¸ü - ØÆü¤üß ³ÖÖÂÖÖ

*** ˆ§êü¿µÖ -**

1) ØÆü¤üß भाषा के उद्‌भव और विकास को सम–ना।
2) हिंदी भाषा के गठन और व्यवहार को सम–ना।
3) देवनागरी लिपि का मानक रूप और उपादेयता को सम–ना।
4) संगणक में हिन्दी प्रयोगण को जानना…

*** पाठ्यक्रम :-**

1) †) प्राचीन भारतीय आर्य भाषा - वैदिक और लौकिक संस्कृत का सामान्य परिचय। †Ö) मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ- (क) पाली,(ख) प्राकृत - प्राकृत के प्रमुख भेद (ग) अपभ्रंश की ×¾Ö¿ÖêÂÖŸÖÖ‹Ñ…
2) ØÆü¤üß ×úß ²ÖÖê×»ÖµÖÖÑ - वर्गीकरण तथा सामान्य परिचय। खडी बोली, ब्रज, अवधी, दाक्खिनी हिंदी का ध्वन्यात्मक और रूपात्मक, साहित्यिक परिचय।
3) हिंदी शब्द निर्माण - उपसर्ग, प्रत्यय, समास।
4) हिंदी भाषा का व्याकरण : ÃÖÓ–ा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अव्यय, लिंग, वचन, एवं कारक का सोदाहरण परिचय।
5) देवनागरी लिपि - विशेषताएँ, देवनागरी लिपि ×úê मानकीकरण के प्रयत्न। देवनागरी लिपि का मानक रूप, संगणक की दृष्टि से देवनागरी लिपि की उपादेयता। देवनागरी लिपि की खÖ×´ÖµÖÖÑ…

*** संदर्भग्रंथ :-**

1) हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास - डॉ. उदय नारायण तिवारी।
2) हिंदी : उद्‌भव, विकास और रूप - >ÖÖ. Æü¸ü¤êü¾Ö ²ÖÖÆü¸üß…
3) हिंदी भाष का परिचय - बिन्दु माधव मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
4) आधुनिक भाषा वि–ान - डॉ. भोलानाथ तिवारी।

5) ³ÖÖÂÖÖ †Ö¸¡ ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान - डॉ. तेजपाल चौधरी, विकास प्रकाशन, कानपुर...

6) ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान एवं हिंदी भाषा - डॉ. हणमंतराव पाटील, विद्या प्रकाशन, कानपूर।

7) ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान तथा Ã֐´ÖÖ•Ö ³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान - डॉ. भाऊसाहेब परदेशी, डॉ. गिरीश महाजन, चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर।

8) हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण - डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया...

9) आधुनिक हिंदी विविध आयाम - डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली...

प्रश्नपत्र - 15 - HI - 2430 ×¾Ö¿ÖÂÖ ÃÖÖ¸ü

हिंदी साहित्य का आधुनिक काल

*** ˆ§ês¿µÖ -**

1) आधुनिक काल की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियोंकी जानकारी देना।

2) आधुनिक काल के गद्यकारोंकी रचनाओं का साहित्यिक परिचय देना।

3) आधुनिक काल की पद्य रचनाओं का परिचय देना।

*** पाठ्यक्रम :- गद्य**

1) ¯Öå×¸üÛúÃ£Ö×ŸÖµÖÖë - सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, आर्थिक, साहित्यिक परिस्थितियाँ एवं उनका ÃÖÖ×ÆüŸµÖ ¯Ö¸ü ¯Ö³ÖÖ¾Ö…

2) उपन्यास विद्या का विकास - प्रेमचन्द्रपूर्व युग, प्रेमचन्द युग, प्रेमचन्दोत्तर युग।

3) कहानी विद्या का विकास - Ã¾ÖÖŸÖÓ¡µÖ¯Öæ¾Ö, स्वातंत्र्योत्तर युग।

4) नाटक विद्या का विकास - प्रसाद पूर्व युग। प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग।

5) निबंध विद्या का विकास - भरतेन्दु युग, द्विवेदीयुग, शुक्लयुग, शुक्लोत्तर युग।

¯Öª :-

1) द्विवेदीयुगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ…

2) ¸üÖÂ™ÒßµÖ - सांस्कृतिक काव्य धारा…

3) छायावाद की प्रेरक परिस्थितियाँ, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, छायावाद की बृहदत्रयी…

4) प्रगतिवाद : प्रेरक परिस्थितीयाँ, प्रमुख विशेषताएँ…

5) प्रयोगवाद : प्रेरक परिस्थितीयाँ, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रयोगवाद और नई कविता…

6) ग़ÖßŸÖ-ग•Ö»Ö-नवगीत का संक्षिप्त परिचय…

संदर्भ ग्रंथ :-

1) हिंदी गद्य का उद्‌भव और विकास - ›üÖ. ˆ´Ö¿Ö ¿ÖÖÃ¡Öß

2) हिंदी काय गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी…

3) Ã¾ÖÖŸÖ¡µÖÖ¢Ö¸¡ ØÆ¤ß ÃÖÖ×ÆŸµÖ - रामरतन भटनागर...

4) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक - डॉ. रीता कुमार...

5) प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार - >Ö. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना...

6) आधुनिक हिंदी साहित्य का विकास - डॉ. श्रीकृष्णलाल...

7) हिंदी साहित्य का इतिहास - >Ö. ¸Ö´Ö´ÖÙŸÖ ×¡Ö¯ÖÖŠß...

8) आधुनिक साहित्य का इतिहास - डॉ. बच्चनसिंह...

9) हिंदी साहित्य का इतिहास - >Ö. ¤¾ीशरण रस्तोगी...

10) हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास - >Ö. ÃÖ³ÖÖ¯ÖxŸÖ ×´ÖÁÖ...

11) हिंदी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी...

12) हिन्दी साहित्य का इतिहास - >Ö. ¸´Ö¿Ö“Ö¦ ¿Ö´ÖÖ...

13) नवगीत : संवेदना और शिल्प - >Ö. ÃÖŸµÖ¦ ¿Ö´ÖÖ...

14) साठोत्तरी हिंदी गजल - डॉ. मधु खराटे...

15) हिंदी गजल के विविध आयाम - >Ö. ÃÖ¸¡¤Ö¸¡ ´Ö•ÖÖ¾Ö¸¡...

प्रश्नपत्र - 16 - HI - 2440 - ×¾Ö¿ÖÂÖ ÃÖŸÖ¸ü - वैकल्पिक

(A) ´ÖßÖ×›üµÖÖ लेखन

^§ü¿µÖ:-

1) मीडिया लेखन के महत्व को सम–ााना…

2) मीडिया लेखन के प्रकारों का परिचय देना…

3) मीडिया लेखन की उपादेयता पर प्रकाश डालना…

4) मीडिया लेखन की क्षमता को विकासित कराना…

पाठ्यक्रम:-

(†) जनसंचार माध्यम :

1) जनसंचार माध्यम : परिभाषा एवं स्वरूप, महत्व…

2) जनसंचार माध्यम का विकास …

3) जनसंचार माध्यमों के प्रकार…

(†Ö) ´ÖצüÖ ´ÖÖ¬µÖ´Ö :

1) समाचार पत्र की परिभाषा एवं स्वरूप…

2) समाचार पत्र का महत्व एवं आवश्यकता…

3) समचार पत्र हेतु लेखन - ÃÖ´ÖÖ“ÖÖ¸ü लेखन, संपादकीय लेखन, रिर्पोताज लेखन, वि–ापन लेखन एवं साक्षात्कार…

(‡) ÁÖ¾µÖ ´ÖÖ¬µÖ´Ö:

1) रेडियो लेखन के सिध्दांत…

2) रेडियो के लिए समाचार लेखन…

3) रेडियो वार्ता लेखन…

4) रेडियो नाटक लेखन

5) रेडियो रूपांतर लेखन

(ई) दृक-Áöö¾µö ´öö¬µö´ö - दूरदर्शन:

1) दूरदर्शन लेखन के सिध्दांत…

2) दृक-Áöö¾µö ´öö¬µö´ö-दूरदर्शन का स्वरूप एवं महत्व…

3) दूरदर्शन के लिए समाचार लेखन…

4) धारावाहिक (सिरियल) लेखन…

*** संदर्भ गंथ:-**

1) मीडिया लेखन: ×Ãö¬¤öŸö †ö¸¡ ¾µö¾öÆö¸¡ - डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली…

2) मीडिया लेखन के सिध्दांत - एन. सी. पंत, तक्षशिला प्रकाशन, नई ×¤¡»»öß…

3) ´öß×›¡µöö †ö¸¡ ØÆ¡¤ß- सं. मधु खराटे, डॉ. हणमंत पाटील, राजेन्द्र सोनवणे, विद्या प्रकाशन, कानपुर…

4) प्रयोजनमूलक हिंदी - हरिश, विश्वविद्यालय प्रकाशन, आगरा…

5) मीडिया लेखन - सुमित मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली…

6) संचार माध्यम लेखन - गौरीशंकर राणा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली…

7) ˆ¢öर आधुनिक मीडिया विमर्श - सुधीर पचौरी, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली…

8) ´öß×›¡µöö †ö¸¡ Ãö´öö•ö -Ãö•ाय गुलाठी, चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर…

9) मीडिया, भाषा और संस्कृति - कमलेश्वर, प्रवीण प्रकाशन, नई दिल्ली…

10) मीडिया विमर्श (पत्रकारिता) - रामशरण जोशी, समय प्रकाशन, नई दिल्ली…

11) टेलिविजन लेखन - Ãö. असगर वजाहत, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली…

12) टेलिविजन पटकथा लेखन - विनोद तिवारी, परिहंस प्रकाशन, दिल्ली…

13) रेडिओ नाटक की कला - डॉ. सिध्दनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

14) टेलिविजन लेखन - सिध्दांत और प्रयोग - कुमुद नागर, भारत प्रकाशन, लखनऊ…

15) रेडियो लेखन - मधुकर गंगाधर, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना

16) ¸¡×›¡µöö ¾öööŸöö ×¿ö»¯ö - डॉ. सिध्दनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली…

17) रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता - डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली…

18) भारतीय मीडिया अंतरंग पहचान - Ãö. ÛÃ´öŸöö मिश्र, भारत पुस्तक भांडार, नई दिल्ली…

प्रश्नपत्र - 16 - HI - 2440 - ×¾Ö¿ÖÂÖ ÃÖÖ¸¡ - वैकल्पिक

(B) प्रयोजनमूलक ØÆ¡¤ß

*** ˆ§¿µÖ :-**

1) हिंदी एवं देवनागरी लिपि के बारे में जानना।

2) पत्राचार के विविध रूपों से परिचय कराना।

3) जनसंचार माध्यमों से अवगत कराना।

4) अनुप्रयोगात्मक –ान प्राप्त करना।

*** पाठ्यक्रम :-**

1) प्रयोजनमूलक हिंदीः सिध्दान्त एवं प्रविधि - प्रयोजनमूलक हिंदी की आवश्यकता, प्रयोजनमूलक हिंदी बनाम व्यावहारिक हिंदी, प्रयोजनमूलक हिंदी स्वरूप एवं व्याख्या तथा प्रयोजनमूलक हिंदी की विशेषताएँ।

2) हिंदी के विभिन्न रूप - साहित्यिक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यमभाषा।

3) ¤देवनागरी लि×¯Ö - गुण, वै–Öानिकता, दोष, सुधार मानक, वर्णमाला और संगणकीय दृष्टि से देवनागरी लिपि, नागरी अंक, भारतीय अंकों के अंतर्राष्ट्रीय रूप।

4) ¯Ö¡ÖÖ“ÖÖ¸¡ - व्यापारिक पूछताछ पत्र, संदर्भ या परिचय पत्र, शिकायती पत्र, साख पत्र, आवेदन ¯Ö¡Ö, -छुट्टी के लिए आवेदन, नौकरी के लिए आवेदन, वेतनवृध्दि के लिए आवेदन, सरकारी पत्र क¥ÖµÖÖ»ÖµÖ †Ö¤¿Ö, †¬Ö¤ सरकारी पत्र, संकल्प, प्रेस वि–ÖÛ¯ÖŸÖ…

5) क¾´¯µÖÖ™¸¡ - परिचय, रूपरेखा, उपयोग - इंटरनेट संपर्क उपकरण वेब पब्लिशिंग।

6) अनुवाद का स्वरूप, प्रक्रिया, प्रविधि एवं अनुवाद के प्रकार।

*** संदर्भ ग्रंथः-**

1) पारिभाषिक शब्द संग्रह - केंद्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली।

2) देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण - केंद्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली।

3) मानक हिंदी का स्वरूप - ³ोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशान, दिल्ली।

4) प्रशासन में राजभाषा हिंदी - कैलाशचंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।

5) हिंदी विविध व्यवहारों की भाषा - सुवास कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

6) मीडिया लेखन - रमेशचंद्र त्रिपाठी, पवन अग्रवाल, भारत प्रकाशन, दिल्ली।

7) प्रयोजनमूलक हिंदी सिध्दांत और प्रयोग - डॉ. दंगल –ाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

8) प्रयोजनमूलक हिंद‍ी - कमल बोस, क्लासिक पब्लिकेशन, दिल्ली।

9) प्रयोजनमूलक हिंदी (भाग 1 से 3) डॉ. उर्मिला पाटील, अतुल प्रकाशन, कानपुर।

10) प्रयोजनमूलक हिंदी - लक्ष्मीकांत पाण्डेय, डॉ. प्रमिला अवस्थी, आशीष प्रकाशन, कानपुर।

11) प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. महेंद्र राणा...

12) प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका - कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली...

प्रश्नपत्र - 16 - HI - 2440 - x¾Ö¿ÖÂÖ ÃÖŸÖ¸ - वैकल्पिक

(C) अनुवाद वि-ाान

*** ^§¡¿µÖ:-**

1) †नुवाद - ¯Öx¸¡³ÖÖÂÖÖ, Ã¾Öºþ¯Ö, ´ÖÆ¢Ÿ¾Ö †Ö¸¡ ¾µÖÖÛ¯ŸÖ…
2) अनुवाद के विविध रूप और अनुवाद की प्रक्रिया।
3) अनुवाद का सामाजिक और सांस्कृतिक पक्ष।
4) अनुवाद करते समय उभरनेवाली विविध समस्याएँ और उनका समाधान।
5) अनुवाद कार्य का क्रमिक विकास एवं अनुवाद का भाषा वै-ाानिक पक्ष।
6) अनुवाद की क्षमता का विकास।

*** पाठ्यक्रमः-**

1) अनुवाद की परिभाषाएँ तथा स्वरूप।
2) अनुवाद की आवश्यकता एवं उद्देश्य।
3) अनुवाद की प्रक्रिया - मूलभाषा के पाठबोधन, लक्ष्यभाषा में विशेषताएँ, अर्थहानि, अर्थान्ततरण, अधिकानुवाद, न्यूनानुवाद।
4) अनुवाद का सामाजिक एवं सांस्कृतिक पक्ष।
5) अनुवाद कार्य में सहायक साधनों के उपयोग का महत्व - द्विभाषिक कोश, त्रिभाषिक कोश, वर्णनात्मक कोश, सूचियाँ, विषय विशेष के ग्रंथ, सयंत्र।
6) रचनात्मक साहित्य के अनुवाद का स्वरूप, आवश्यकता, समस्याएँ एवं सÖß´ÖÖ<…
7) ¾Ö-ाानिक और तकनीकी सामग्री के अनुवाद का स्वरूप, आवश्यकता, विशेषताएँ एवं समस्याएँ।
8) अनुवाद के मूल्यांकन का प्रश्न - आवश्यकता तथा निकष।
9) अनुवादक की योग्यता, कर्तव्य एवं आचार संहिता, सफल अनुवादक की कसौटियाँ।
10) हिंदी साहित्य में अनुवाद कार्य की परंपरा का इतिहास।
11) †ग्रेजी या मराठी गद्यखंड का हिंदी में अनुवाद (गद्यखंड लगभग 150 शब्दों में अपेक्षित)

*** संदर्भ ग्रंथ :-**

1) अनुवाद वि–ान - डॉ. भोलानाथ तिवारी

2) अनुवाद कला : कुछ विचार - आनंद प्रकाश खोभानी

3) अनुवाद कला - “ÖÖºþ¤ü¢Ö ¿ÖÖÃ¡ÖßÖ

4) अनुवाद : सिध्दांत और व्यवहार - एस.के. शर्मा

5) अनुवाद की व्यावहारिक समÃµÖÖ‹ü - डॉ. भोलानाथ तिवारी

6) अनुवाद भाषाएँ -ÃÖ´ÖÃµÖÖ‹ü- एन.ई. विश्वनाथ अय्यर, –ानगंगा, दिल्ली…

7) रोजगाराभिमुख अनुवाद वि–ान - डॉ. सुरेश माहेश्वरी, भावना प्रकाशन, दिल्ली…

8) अनुवाद वि–ान Ã¾Öºþ¯Ö ‹¾Ö ¾µÖÖÛ¯ÖŸÖ - ÃÖ.›ü.´Ö.²Ö. ¿ÖÆÖ, ›ü. ¯ÖßÖŸÖ´²Ö¸üÃÖ¸Ö¤ü

9) अनुवादकता और समस्याएँ - ¾Ö–ानिक अनुसंधान, प्रकाशन और सांस्कृतिक ग्रंथालय

10) अनुवाद सिध्दांत एवं स्वरूप - डॉ. मनोहर सराफ, डॉ. शिवाकान्त गोस्वामी

11) अनुवाद निरूपण - डॉ. भारती गोरे

12) अनुवाद - डॉ. रामगोपल सिंह

एम.ए. हिंदी भाग - II

“ÖŸÖ£Ö ÃÖ¡Ö (IVth Semester)

प्रश्नपत्र का Ã¾Ö°þ¯Ö एवं अंक विभÖजन

प्रश्नपत्र - 13 - HI - 2410 -सामान्य स्तर-

काव्य नाटक, नई कविता और गजल

i) प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा। कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

प्रश्न क्र. 1 : एक कंठ विषपायी पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)

प्रश्न क्र. 2 : दिशांतर पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)

प्रश्न क्र. 3 : डॉ. गिरिराजशरण अग्रवाल की गजलों पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)

प्रश्न क्र. 4 : लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) (एक कंठ विषपायी पर, दिशांतर एवं गिरिराजशरण अग्रवाल की गजलों पर एक-एक लघुत्तरी प्रश्न पूछा जाएगा।)

प्रश्न क्र. 5 : ससंदर्भ व्याख्या (तीन में से दो) (एक कंठ विषपायी, दिशांतर एवं गिरिराजशरण अग्रवाल की गजलें इन पर एक-एक संदर्भ पूछा जाएगा।)

प्रश्नपत्र - 14 - x¾Ö¿ÖÂÖ ÃŸÖ¸¡ - HI - 2410

ØÆ¤ß ³ÖÖÂÖÖ

1) प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा। कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा।

2) प्रश्न क्र. 1, 2, 3 <¾Ö 4 अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे।

प्रश्न क्र. 5 टिप्पणियों पर आधारित होगा। (तीन में स्Ö ¤Ö)

प्रश्नपत्र - 15 - x¾Ö¿ÖÂÖ ÃŸÖ¸¡ - HI - 2430

हिंदी साहित्य का आधुनिक काल

*** सूचनाएँ :-**

1) प्रत्येक प्रश्न 12 अंको का होगा। कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा।

2) प्रश्न क्र. 1 एवं 2 गद्य पर आधारित अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे।

3) प्रश्न क्र. 3 एवं 4 पद्य पर आधारित अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे।

4) प्रश्न क्र. 5 लघुत्तरी प्रश्न -

†) गÖa ¯Ö¸¡ आधारित लघुत्तरी प्रश्न (दो में से एक)

²Ö) पद्य पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (दो में से एक)

प्रश्नपत्र - 16 - HI - 2440 x¾Ö¿ÖÂÖ ÃŸÖ¸¡ - वैकल्पिक (A) मीडिया लेखन

1) प्रत्येक प्रश्न 12 अंको का होगा। कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा।

प्र.क्र. 1) जनसंचार माध्यम पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)

प्र.क्र. 2) मुद्रित माध्यम पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)

प्र.क्र. 3) श्राव्य ´ÖÖ¬µÖ´Ö-रेडियो पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)

प्र.क्र. 4) दृक-श्राव्य माध्यम दूरदर्शन पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)

प्र.क्र. 5) टिप्पणियाँ लिखिए -

(†) ÁÖÖ¾µÖ - माध्यम रेडियोग पर आधारित (दो में से एक)

(ब) दृक-श्राव्य माध्यम दूरदर्शन पर आधारित (दो में से एक)

प्रश्नपत्र - 16 - HI - 2440 x¾Ö¿ÖÂÖ ÃŸÖ¸¡ - वैकल्पिक (B) प्रयोजनमूलक हिंदी

1) प्रत्येक प्रश्न 12 अंको का होगा। कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा।

प्र.क्र. 1, 2 एवं 3 अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे...

प्र.क्र. 4) टिप्पणियाँ लिखिए (तीन में से दो)

प्र.क्र. 5) लघुत्तरी प्रश्न छह में से चार लिखने Æ…

प्रश्नपत्र - 16 - HI - 2440 ×¾Ö¿ÖÂÖ ÃÖŸÖ¸ü - वैकल्पिक (C) अनुवाद वि-ाान

1) प्रत्येक प्रश्न 12 अंको का होगा। कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा।

प्र.क्र. 1, 2 एवं 3 अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे।

प्र.क्र. 4) लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो)

प्र.क्र. 5) ´Ö¸üÖŠüß †£Ö¾ÖÖ अंग्रेजी ¯Öx¸ü“”ûÔ¤ü का हिंदी में अनुवाद करना। (गद्यखंड लगभग 150 शब्दों में अपेक्षित)

एम.ए. भाग - 2 (ØÆ¤ß)

हिंदी पाठ्यक्रम

समकक्ष विषयों की सूची

“ÖÝÖ£Ö ÃÖ¡Ö

पुराना पाठ्यक्रम		नया पाठ्यक्रम	
अ.क्र	**×¾ÖÂÖµÖ**	**अ.क्र.**	**×¾ÖÂÖµÖ**
1.	प्रश्नपत्र-HI-241-सामान्य स्तर-आधुनिक काव्य	1.	प्रश्नपत्र- 13-HI-2410- सामान्य ÃŸÖ¸ü - काव्य नाटक, नई कविता, †Ö¸ü ´Ö•Ö»Ö
2.	प्रश्नपत्र-HI-242-×¾Ö¿ÖêÂÖ ÃŸÖ¸ü-³ÖÖÂÖÖ ×¾Ö–ान एवं हिंदी भाषा	2.	प्रश्नपत्र-14-HI-2420- ×¾Ö¿ÖêÂÖ ÃŸÖ¸ü - ØÆ¤ß ³ÖÖÂÖÖ
3.	प्रश्नपत्र-HI-243-×¾Ö¿ÖêÂÖ ÃŸÖ¸ü- ØÆ¤ß साहित्य का इतिहास	3.	प्रश्नपत्र-15-HI-2330- ×¾Ö¿ÖêÂÖ ÃŸÖ¸ü - हिंदी साहित्य का आधुनिक काल
4.	प्रश्नपत्र-HI-244- ×¾Ö¿ÖêÂÖ ÃŸÖ¸ü- वैकल्पिक (a) ØÆ¤ß आलोचना (b) ³ÖÖ¸üŸÖßµÖ ÃÖÖ×ÆŸµÖ	4.	प्रश्नपत्र-16-HI-2340- ×¾Ö¿ÖêÂÖ स्तर : वैकल्पिक (रोजगारपरक) (A) मीडिया लेखन
	(c) अनुवाद वि–ान (d) मीडिया लेखन		(B) प्रयोजनमूलक हिंदी
	(e) प्रयोजन मूलक (e) लोक साहित्य		(C) अनुवाद वि–ान

प्रो.डॉ.एस.एन. देवरे

अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,

^¢Ö¸ü´ÖÆÖ¸üÖÂ™Òü विश्वविद्यालय, जलगांव